खान्देश शिक्षण मंडल संचलित एवं

कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय,

जलगाँव से संलग्न

प्रताप महाविद्यालय (स्वायत्तशासी)

अमलनेर-425401, जिला-जलगाँव (महाराष्ट्र)

Pratap College (Autonomous)

Amalner-425401 Dist-Jalgaon (MH.)

तृतीय वर्ष कला (T.Y.B.A.)

(Level-5.5)

पाठ्यक्रम (Syllabus)

(पुनर्गठित) (Revised) - जून 2025 से

T.Y.B.A. (NEP-2020 Pattern) के अनुसार

(पाँचवा एवं छठा सत्र) (V & VI Semester)

हिंदी विभाग (Dept. of Hindi)

(शैक्षिक कालावधी–जुन 2025 से मई 2028 तक)

तृतीय वर्ष कला - पाठ्यक्रम (NEP-2020 नुसार)

UG Certificate (LEVEL 5.5) T.Y.B.A. (Sem. V & VI)

SYLLABUS STRUCTURE WITH SUBJECT TITLE AS NEP-2020

(शैक्षिक वर्ष सन 2025-26 से प्रभावान्वित)

पाँचवा सत्र (Sem. V)

अ.क्र.	प्रश्नपत्र (पेपर) कोड	प्रश्नपत्र (पेपर) का शीर्षक	श्रेयांक (क्रेडिट)
1)	DSC-09-HIN-MJ-301	हिंदी की राष्ट्रीय काव्यधारा	02
2)	DSC-10-HIN-MJ-302	हिंदी साहित्य का इतिहास : (आदिकाल, भक्तिकाल एवं रीतिकाल)	04
3)	DSC-11-HIN-MJ-303	हिंदी भाषा का विकास	04
4)	VSC-02-HIN-VSC-304	हिंदी व्याकरण तथा अभिव्यक्ति कौशल .	02
5)	MN-05-HIN-MN-311	हिंदी का संपादन लेखन	02
6)	DSE-01-HIN-EC-321	विशेष विधा : यात्रा साहित्य	04
7)	FP-HIN-FP-341 Field Project (Hindi)	मराठी भाषी रचनाकारों का हिंदी साहित्य लेखन में योगदान : एक अध्ययन (क्षेत्रिय परियोजना-हिंदी)	04
		कुल श्रेयांक (Total Credits)	**22**

छठा सत्र (Sem. VI)

अ.क्र.	प्रश्नपत्र (पेपर) कोड	प्रश्नपत्र (पेपर) का शीर्षक	श्रेयांक (क्रेडिट)
1)	DSC-12-HIN-MJ-351	भारतीय संत काव्य	02
2)	DSC-13-HIN-MJ-352	हिंदी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल	04
3)	DSC-14-HIN-IKS-353	भारतीय ज्ञान परंपरा एवं भाषा विज्ञान (IKS)	04
4)	VSC-03-HIN-VSC-354	हिंदी भाषा का मानकीकरण एवं अशुद्धि शोधन	02
5)	MN-06-HIN-MN-361	प्रयोजनमूलक हिंदी	02
6)	DSE-02-HIN-EC-371	मीडिया : हिंदी सिनेमा और साहित्य	04
7)	OJT-HIN-391 On Job Training (Hindi)	भारतीय रेल / राष्ट्रीयकृत बैंकों में वर्तमान हिंदी की कार्यप्रणाली : एक अध्ययन [कार्य प्रशिक्षण/आंतर्वासिता (हिंदी)]	04
		कुल श्रेयांक (Total Credits)	**22**

***SEC : Skill Enhancement Course**
***DSE : Discipline Specific Elective Course**
*** OJT : On Job Training**
*** MN : Minor**
***DSC : Discipline Specific Core Course**
***FP : Field Project**
*** VSC : Vacational Skill Course**
*** MJ : Major**

पाँचवा सत्र (Sem. V)

DSC-09-HIN-MJ-301 : हिंदी की राष्ट्रीय काव्यधारा

(National Poetry Movement in Hindi) (Credit 2)

उद्देश्य:1) हिंदी की राष्ट्रीय काव्यधारा से छात्रों को परिचित कराना.

2) हिंदी राष्ट्रीय काव्यधारा के विकासक्रम से परिचित कराना.

3) हिंदी की राष्ट्रीय काव्यधारा के प्रमुख कवियों से परिचित कराना.

4) छात्रों में राष्ट्र के प्रति सम्मान,गौरव एवं निष्ठा का भाव उत्पन्न करना.

पाठ्यक्रम :

इकाई-1 : हिंदी की राष्ट्रीय काव्यधारा : सैद्धांतिक विवेचन. (10 hrs)

1) राष्ट्रीय काव्यधारा से तात्पर्य,स्वरुप एवं प्रमुख विशेषताएं.

2) हिंदी की राष्ट्रीय काव्यधारा का उद्भव एवं विकासक्रम.

3) हिंदी की राष्ट्रीय काव्यधारा के प्रमुख कवियों का साहित्यिक परिचय.

इकाई-2 : भारतीय स्वाधीनता आंदोलन और राष्ट्रीय काव्यधारा. (10 hrs)

1) राष्ट्र की अवधारणा,राष्ट्र का गौरव एवं संस्कृति.

2) द्विवेदीयुग पूर्व राष्ट्रीय कविता.

3) द्विवेदीयुगीन राष्ट्रीय कविता.

इकाई-3 : प्रतिनिधि रचना : राष्ट्रीय काव्यधारा : सं.कन्हैया सिंह. (10 hrs)

1) सिद्धराज(पंचम सर्ग) : मैथिलीशरण गुप्त.

2) कैदी और कोकिला एवं अमर राष्ट्र : माखनलाल चतुर्वेदी

3) शहीद स्तवन एवं जनतंत्र का जन्म : रामधारी सिंह 'दिनकर'.

संदर्भ पुस्तकें :

1) राष्ट्रीय काव्यधारा : सं.कन्हैया सिंह,वाणी प्रकाशन,नयी दिल्ली.

2) हिंदी की राष्ट्रीय काव्यधारा : समग्र अनुशीलन : देवराज शर्मा 'पथिक', इन्द्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली.

3) आधुनिक हिंदी काव्य में राष्ट्रीय चेतना : शुभलक्ष्मी, नचिकेता प्रकाशन.

4) हिंदी काव्य की प्रवृत्तियाँ : प्रभाकर माचवे, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली.

5) हिंदी काव्य-भाषा की प्रवृत्तियाँ : कैलाशचंद्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली.

6) हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ.नगेन्द्र.

DSC-10-HIN-MJ-302 : हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल और रीतिकाल) (Credit 4)

(History of Hindi Literature : Aadikal, Bhaktikal Aur Reetikal)

उद्देश्य: 1) हिंदी साहित्य के इतिहास के कालविभाजन एवं नामकरण से छात्रों को परिचय कराना.

2) साहित्यिक प्रवृत्तियों से छात्रों को परिचित कराना.

3) हिंदी के प्रारंभिक रचनाकारों से परिचित कराना.

4) छात्रों में हिंदी साहित्य के अध्ययन के प्रति रूचि पैदा करना.

पाठ्यक्रम :

इकाई-1 : आदिकाल : (20 Hrs.)

1) हिंदी साहित्य का कालविभाजन एवं नामकरण

2) आदिकालीन राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक एवं साहित्यिक परिस्थितियों का सामान्य परिचय

3) आदिकालीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ.

4) रासो साहित्य की प्रवृत्तियां एवं प्रतिनिधि कवि चंदबरदाई का संक्षिप्त परिचय

5) नाथ साहित्य की प्रवृत्तियां एवं प्रतिनिधिकवि गोरखनाथ का साहित्यिक परिचय.

6) आदिकालीन कवि विद्यापति,सरहपा एवं अमीर खुसरो का संक्षिप्त परिचय

इकाई-2 : भक्तिकाल : (20 Hrs.)

1) भक्तिकालीन राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक एवं साहित्यिक परिस्थितियों का सामान्य परिचय

2) निर्गुण काव्यधारा : ज्ञानाश्रयी एवं प्रेमाश्रयी शाखा की प्रवृत्तियाँ

3) प्रतिनिधि कवि कबीर एवं जायसी का संक्षिप्त परिचय

4) सगुन काव्यधारा : रामभक्ति एवं कृष्णभक्ति शाखा की प्रवृत्तियाँ

5) प्रतिनिधि कवि तुलसीदास एवं सूरदास का सामान्य परिचय.

6) रहीम एवं मीराबाई का संक्षिप्त परिचय.

इकाई-3 : रीतिकाल : (20 Hrs.)

1) रीतिकालीन राजनीतिक,सामाजिक,धार्मिक एवं साहित्यिक परिस्थितियों का सामान्य परिचय
2) रीतिकालीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
3) रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्यधाराओं का सामान्य परिचय
4) बिहारी, घनानंद, केशवदास एवं भूषण का संक्षिप्त परिचय.

संदर्भ पुस्तकें :

1) हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ.नगेन्द्र
2) हिंदी साहित्य का इतिहास : आ.रामचंद्र शुक्ल
3) हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : डॉ.गणपतिचन्द्र गुप्त
4) हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ.लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय.
5) हिंदी साहित्य : युग और प्रवृत्तियाँ : शिवकुमार शर्मा.
6) हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ.रमेशचंद्र शर्मा.
7) हिंदी साहित्य का प्रवृत्तिमूलक अभिनव इतिहास : डॉ.विवेक शंकर
8) हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ : डॉ.जयकिशनप्रसाद
9) हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास : डॉ.हजारीप्रसाद द्विवेदी
10) हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ.सज्जनराम केनी.
11) सिद्ध साहित्य : डॉ.राहुल सांकृत्यायन.

DSC-11-HIN-MJ-303 : हिंदी भाषा का विकास (Development of Hindi Language) (Credit 4)

उद्देश्य: 1) भाषा की परिभाषा तथा विशेषताओं से छात्रों को अवगत कराना.
2) भाषा के विविध रूपों का ज्ञान छात्रों को प्रदान करना.
3) हिंदी के प्रचार-प्रसार में विविध संस्थाओं एवं साहित्यकारों के योगदान से छात्रों को अवगत कराना .
4) भाषा के वैज्ञानिक अध्ययन एवं अनुशीलन के प्रति रूचि निर्माण करना.

पाठ्यक्रम :

इकाई-1 : भाषा का सैद्धांतिक विवेचन : (20 Hrs.)

1) भाषा की परिभाषा,स्वरुप तथा भाषा की विशेषताएं.
2) भाषा के विविध रूप : बोली,परिनिष्ठित भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा.
3) बोली एवं परिनिष्ठित भाषा तथा राजभाषा एवं राष्ट्रभाषा पारस्परिक अंतर्संबंध.

इकाई-2 : हिंदी की बोलियों का सामान्य परिचय तथा भाषा व्युत्पत्ति विषयक सिद्धांत. (20 Hrs.)

1) हिंदी की बोलियों का सामान्य परिचय : ब्रजभाषा, अवधी, खड़ीबोली, भोजपुरी दक्खिनी, मारवाड़ी तथा मैथिली का सामान्य परिचय एवं विशेषताएं.
2) भाषा व्युत्पत्ति विषयक सिद्धांत : दिव्योत्पत्ति सिद्धांत,धातु सिद्धांत, श्रम परिहार सिद्धांत आदि का सामान्य परिचय.

इकाई-३ : हिंदी भाषा के विकास में व्यक्तियों एवं संस्थाओं का योगदान. (20 Hrs.)

1) हिंदी के प्रचार-प्रसार में खान्देश के निम्न साहित्यकारों का योगदान : डॉ.मु.ब.शहा, डॉ.शंकर पुणताम्बेकर, डॉ.तेजपाल चौधरी, डॉ.पीताम्बर सरोदे एवं डॉ.विश्वास पाटिल
2) हिंदी के प्रचार-प्रसार में निम्न साहित्यिक संस्थाओं का योगदान : नागरी प्रचारिणी सभा काशी, हिंदी साहित्य सम्मलेन प्रयाग, राष्ट्रभाषा प्रचार समिति वर्धा, राष्ट्रभाषा प्रचार सभा पुणे एवं दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, नागरी लिपि प्रचारिणी, दिल्ली

संदर्भ पुस्तकें :

1) भाषा विज्ञान : डॉ. भोलानाथ तिवारी.
2) सामान्य भाषा विज्ञान : डॉ.बाबुराम सक्सेना.
3) भाषा विज्ञान की भूमिका : डॉ.देवेन्द्रनाथ शर्मा
4) भाषा विचार एवं भाषा विज्ञान : डॉ.कृष्णा पोतदार,डॉ.मधु खराटे.
5) सरल भाषा विज्ञान : डॉ.पीताम्बर सरोदे, डॉ.विश्वास पाटिल.
6) भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा : डॉ.हणमंत पाटिल
7) राष्ट्रभाषा आन्दोलन : श्री,गो.प.नेने
8) राष्ट्रभाषा प्रचार का इतिहास : सं.गंगाशरण सिंह
9) हिंदी राष्ट्रभाषा से विश्वभाषा की ओर : सं.डॉ.सुरेश माहेश्वरी.
10) आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना : डॉ.वासुदेवनंदन प्रसाद

VSC-02-HIN-VSC-304 :

हिंदी व्याकरण तथा अभिव्यक्ति कौशल

(Hindi Grammar and Expression Skills) (Credit 2)

उद्देश्य: 1) हिंदी भाषा की व्याकरणिक संरचना से छात्रों को परिचित कराना.

2) संक्षेपण एवं पल्लवन प्रक्रिया से छात्रों को अवगत कराना.

3) हिंदी शब्द संसाधन से छात्रों को परिचित कराना.

4) वक्तृत्व एवं वादविवाद कला-कौशल से छात्रों को परिचित कराना.

इकाई-1 : शब्द भेद तथा शब्द संसाधन : (सामान्य परिचय) (10 Hrs.)

अ) शब्द भेद : विकारी एवं अविकारी शब्द

1) विकारी शब्द : संज्ञा,सर्वनाम, विशेषण एवं क्रिया का सामान्य परिचय तथा प्रकार(भेद)

2) अविकारी शब्द (अव्यय) : क्रिया विशेषण अव्यय, संबंधसूचक अव्यय, समुच्चयबोधक अव्यय एवं विस्मयबोधक अव्यय आदि का सामान्य परिचय तथा प्रकार (भेद)

आ) शब्द संसाधन :

1) पर्यायवाची शब्द

2) विलोम शब्द

3) अनेक शब्दों के एक शब्द.

इकाई-2 : अभिव्यक्ति कौशल : मौखिक अभिव्यक्ति कौशल : (10 Hrs.)

1) वक्तृत्व : वक्तृत्व शब्द का अर्थ, वक्तृत्व कला एवं शास्त्र, वक्तृत्व के तत्व, वक्तृत्व का महत्व, वक्तृत्व प्रतियोगिता के नियम,उत्तम वक्ता की विशेषताएं.

2) वाद-विवाद : वाद-विवाद से तात्पर्य,वाद-विवाद के रूप (संसदीय वाद-विवाद,मेस वाद-विवाद, सार्वजनिक वाद-विवाद, प्रतियोगितात्मक वाद-विवाद, हास्य वाद-विवाद), वाद-विवाद प्रतियोगिता सामान्य नियम.

इकाई-3 : अभिव्यक्ति कौशल : लिखित अभिव्यक्ति कौशल : (10 Hrs.)

1) संक्षेपण(सार लेखन) : संक्षेपण का महत्व,संक्षेपण की विशेषताएं,संक्षेपण की प्रक्रिया,संक्षेपण-लेखन.

2) पल्लवन : पल्लवन का महत्व,पल्लवन की विशेषताएं,पल्लवन की प्रक्रिया, पल्लवन लेखन.

संदर्भ पुस्तकें :

1) हिंदी व्याकरण : पं.कामताप्रसाद गुरु,प्रकाशन संस्थान,नयी दिल्ली.

2) सुबोध हिंदी व्याकरण एवं रचना : डॉ.वीरेन्द्रकुमार गुप्त,एस.चाँद एंड कंपनी,दिल्ली.

3) आधुनिक हिंदी व्याकरण एवं रचना : डॉ.वासुदेवनंदन प्रसाद,भारती भवन,प्रयागराज.

4) मानक हिंदी व्याकरण : डॉ.लक्ष्मीकांत पाण्डेय,विद्या प्रकाशन,कानपुर.

5) प्रयोजनमूलक हिंदी (भाग-१): डॉ.उर्मिला पाटिल,अतुल प्रकाशन,कानपुर.

6) प्रयोजनमूलक हिंदी व्याकरण : डॉ. द्विज्राम यादव,साहित्य रत्नाकर,कानपुर.

7) प्रयोजनमूलक हिंदी के आधुनिक आयाम : डॉ.महेंद्रसिंह राणा,हर्षा प्रकाशन,आगरा.

8) प्रयोजनमूलक मानक हिंदी : ओंकारनाथ वर्मा,सुलभ प्रकाशन,लखनऊ.

9) शुद्ध हिंदी : डॉ.जगदीशप्रसाद कौशिक,साहित्यागार प्रकाशन,जयपुर.

10) व्यवहारिक हिंदी : डॉ.ईश्वरदत्त शील,विद्या विहार प्रकाशन,कानपुर.

11) प्रयोजनमूलक हिंदी : डॉ.पुरुषोत्तम वाजपेयी,चंद्रलोक प्रकाशन,कानपुर.

12) प्रायोगिक व्याकरण एवं पत्र लेखन : डॉ.शिवकांत गोस्वामी,विद्या प्रकाशन,कानपुर.

13) वाद-विवाद प्रतियोगिता : पक्ष और विपक्ष : डॉ.गिरिराजशरण अग्रवाल,डायमंड बुक्स.

MN-05-HIN-MN-311 : हिंदी का संपादन लेखन
(Hindi Editing Writing) (Credit 2)

उद्देश्य:1) छात्रों को संपादन लेखन कौशल के विभिन्न आयामों से परिचित कराना |
2) संपादन की प्राविधि एवंमहत्वसे को समझाना |
3) संपादन लेखन के प्रति छात्रों में रूचि पैदा कराना |
4) हिंदी के प्रमुख समाचार-पत्र एवं साहित्यिक पत्रिकाओं के उल्लेखनीय संपादकीय से परिचित कराना |

पाठ्यक्रम :

इकाई-1 : संपादकीय लेखन : (10 Hrs.)
क) संपादकीय लेखन का उद्देश्य एवं आधारभूत तत्व
ख) संपादन की निष्पक्षता एवं सामाजिक संदर्भ
ग) संपादन कला के सामान्य सिद्धांत

इकाई-2 : संपादक : (10 Hrs.)
क) संपादक की योग्यता, दायित्व एवं महत्व
ख) संपादकीय लेखन की विशेषताएँ
ग) संपादकीय लेखन की प्रविधि

इकाई-3 : हिंदी के प्रमुख समाचार-पत्र एवं साहित्यिक पत्रिकाओं के निम्न कुछ उल्लेखनीय संपादकीय का अध्ययन : (10 Hrs.)
क) 'दलित अस्मिता' (पत्रिका) जनवरी-जुलाई 2014 'परिवर्तन की ओर कदम' - डॉ.विमल थोरात
ख) 'द हिंदू' (समाचार पत्र) - 12 जुलाई 2025 'किसी भी भाषा को...'
ग) दैनिक भास्कर (समाचार पत्र) - 9 जुलाई 2025 'विषचक्र की विपदा...'

संदर्भ पुस्तकें :

1) प्रयोजनमूलक हिंदी और पत्रकारिता : दिनेश प्रसाद सिंह, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
2) आधुनिक हिंदी पत्रकारिता के विविध आयाम : डॉ.बी.आर.बारड / डॉ.डी.एम्.दोमडीया, रावत प्रकाशन, नयी दिल्ली.
3) जनसंचार माध्यमों में हिंदी : चन्द्रकुमार, क्लासिकल पब्लिशिंग कंपनी, नयी दिल्ली
4) प्रयोजनमूलक हिंदी : अधुनातन आयाम : अंबादास देशमुख, शैलजा प्रकाशन, कानपुर
5) प्रयोजनमूलक हिंदी : दक्षा हिमावत, अभय प्रकाशन
6) समाचार संपादन : रामशरण जोशी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
7) समाचार संपादन : कमल दीक्षित, महेश दर्पण, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
8) भारतीय पत्रकारिता - नए दौर नए प्रतिमान : संतोष, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
9) समाचार पत्र प्रबंधन : गुलाब कोठारी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
10) दलित अस्मिता : संपादक-डॉ.विमल थोरात, सेंटर फॉर दलित लिटरेचर एंड आर्ट की त्रैमासिकी (जनवरी-जुलाई 2014)
11) दैनिक भास्कर (समाचार पत्र) - bhaskarhindi.com
12) द हिंदू (समाचार पत्र) thehindu.com

DSE-01-HIN-EC-321 : विशेष विधा : यात्रा साहित्य (Special Genre : Travel Literature) (Credit 4)

उद्देश्य: 1) कथेतर गद्य की विशिष्ट विधा (यात्रावृत्त) से छात्रों को परिचित कराना.
2) यात्रावृत्तविधा का स्वरुप एवं विकासक्रम से छात्रों को अवगत कराना.
3) यात्रावृत्तलेखन की सृजनात्मकक्षमता का छात्रों में विकास करना.
4) यात्रासाहित्य की रचनाओं के मूल्यांकन एवं विश्लेषण की क्षमता का छात्रों में विकास करना.
5) अध्ययनार्थ यात्राकृति के माध्यम से छात्रों में यात्रा के प्रति रूची विकसित करना.

पाठ्यक्रम :

इकाई-1 : यात्रा साहित्य : सैद्धांतिक विवेचन. (20 Hrs.)

क) यात्रावृत्तकी परिभाषा,स्वरुप,विभिन्न तत्व.
ख) यात्रासाहित्य का वर्गीकरण एवं मुख्य विशेषताएं.
ग) यात्रावृत्तलेखन का महत्व,उद्देश्य एवं विभिन्न शैलियाँ.

इकाई-2 : **यात्रा साहित्य का विकासक्रम.** (20 Hrs.)

क) भारतेंदु पूर्व एवं भारतेंदु युग का यात्रासाहित्य.
ख) द्विवेदी युग एवं उत्तर द्विवेदी युग का यात्रा साहित्य.
ग) स्वातंत्र्योत्तर युग का यात्रा साहित्य.

इकाई-३ : प्रतिनिधि रचना- 'मेरी तिब्बत यात्रा' : महापंडित राहुल सांकृत्यायन, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली (सन 2020) (20 Hrs.)

क) मेरी तिब्बत यात्रा : भूमिका, खंड विभाजन, भाषाशैली
ख) मेरी तिब्बत यात्रा : चित्रित बौद्ध दर्शन, लोकजीवन, जीवनानुभव, बौद्ध संस्कृति, यात्रा के आयाम, विशेषताएँ, यात्रा प्रयोजन, उल्लेखनीय वर्णन
ग) यात्रा साहित्य के पितामह : राहूल सांकृत्यायन - यायावरीवृत्ति, विश्वविख्यात यात्री, यात्रा वर्णन का साहित्य लेखन, घुमक्कडी दृष्टि

संदर्भ पुस्तकें :

1) राहूल सांकृत्यायन : अनात्म बेचैनी का यायावर, अशोक कुमार पांडेय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली (सन 2020)
2) घुम्मकड शास्त्र : राहुल सांकृत्यायन, भारतीय साहित्य प्रकाशन, नई दिल्ली (सन 2014)
3) हिंदी यात्रा साहित्य : स्वरुप और विकास : मुरारीलाल शर्मा,क्लासिकल पब्लिशिंगकंपनी, करमपुरा, नयी दिल्ली. .
4) हिंदी का स्वातंत्र्यप्राप्त्योत्तर यात्रा साहित्य : डॉ.इरेश स्वामी, अन्नपूर्णा प्रकाशन, कानपुर.
5) गद्य की नयी विधाओं का विकास : माजदा असद, ग्रंथ अकादमी, नयी दिल्ली.
6) साहित्य में गद्य की नयी विविध विधाएं : कैलाशचंद्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली.
7) हिंदी गद्य विन्यास और विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती, प्रकाशन, दिल्ली.
8) हिंदी का यात्रा साहित्य : रेखा उप्रेती, हिंदी बुक सेंटर, नयी दिल्ली.
9) साहित्यिक विधाएं : सैद्धांतिक पक्ष : मधु धवन, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली.

छठा सत्र (Sem. VI)

DSC-12-HIN-MJ-351 : भारतीय संत काव्य

(Indian Saint Poetry) (Credit 2)

उद्देश्य: 1) भारतीय संत काव्य से छात्रों को परिचित कराना.
2) भारतीय संत काव्य परंपरा के विकासक्रम से छात्रों को परिचित कराना.
3) भारतीय संतों के काव्य का अध्ययन करना.
4) भारतीय संत काव्य की विशेषताओं एवं उपलब्धियों से परिचित कराना.

पाठ्यक्रम :

इकाई-1 : भारतीय संत काव्य : सैद्धांतिक विवेचन (10 Hrs.)

1) भारतीय संत काव्य की परंपरा, 2) महिला संत काव्य की परंपरा,
3) संत साहित्य की विशेषताएं

इकाई-2 : प्रतिनिधि रचना:भारतीय संत काव्य:सं.हिंदी अध्ययन मंडल, उमवि, जलगाँव. (10 Hrs.)

"भारतीय संत काव्य" इस पुस्तक में संकलित निम्न संत कवियों के जीवन एवं साहित्यिक परिचय तथा प्रथम एवं द्वितीय क्रम में प्रकाशित पद अध्ययनार्थ हैं. :
1) संत तिरुवल्लुवर (तमिलनाडु) 2) संत बसवेश्वर(कर्नाटक) 3) संत नामदेव (महाराष्ट्र)
4) संत कबीर (उत्तर प्रदेश) 5) संत नरसी मेहता (गुजरात)

इकाई-3 : "भारतीय संत काव्य" (10 Hrs.)

इस पुस्तक में संकलित निम्न संत कवयित्रियों का जीवन एवं साहित्यिक परिचय तथा प्रथम एवं द्वितीय क्रम में प्रकाशित पद अध्ययनार्थ है :
1) संत कवयित्री अंडाल(तमिलनाडु) 2) संत कवयित्री अक्कमहादेवी (कर्नाटक)
3) संत मीराबाई (राजस्थान) 4) संत लल्लेश्वरी (कश्मीर) 5) संत मुक्ताबाई (महाराष्ट्र)

संदर्भ पुस्तकें :

1) हिंदी के जनपद संत : जगजीवन राम.
2) भारत की महिला संत : वासंती सालवेकर.
3) भारतीय संत नारी परंपरा : बलदेव वंशी .
4) भक्ति के आयाम : डॉ.पी.जयरामन.
5) कबीर मीमांसा : डॉ.रामचंद्र तिवारी.
6) संत साहित्य की आधुनिक अवधारणाएँ : डॉ.सुनील कुलकर्णी
7) भक्तिकाल की प्रासंगिकता : डॉ.संजय शर्मा.
8) भक्तिकाल के कालजयी रचनाकार : डॉ. विष्णुदास वैष्णव.
9) भारतीय भक्तिसाहित्य में अभिव्यक्त सामाजिक समरसता : डॉ.सुनील कुलकर्णी
10) भारतीय समरसता के अग्रदूत संत कवि : डॉ.सुनील कुलकर्णी.
11) भारतीय साहित्य एवं साहित्यकार : अन्तर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य : सं.प्रो.डॉ.शशिकांत सोनवणे 'सावन', माया प्रकाशन,कानपुर.

DSC-13-HIN-MJ-352 :
हिंदी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल
(History of Hindi Literature : Modern Period) (Credit 4)

उद्देश्य: 1) हिंदी भाषा के आधुनिक साहित्य से छात्रों को परिचित कराना.
2) आधुनिक हिंदी साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियों से परिचित कराना..
3) आधुनिक हिंदी साहित्यकारों से परिचित कराना.
4) आधुनिक हिंदी साहित्य की उल्लेखनीय कृतियों से छात्रों को परिचित कराना.

पाठ्यक्रम:

इकाई-1 : 1) आधुनिकता की अवधारणा.आधुनिक काल की राजनितिक, सामाजिक, धार्मिक एवं साहित्यिक परिस्थितियों का परिचय. (20 Hrs.)
2) भारतेन्दुकालीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं कवियों का परिचय.
3) द्विवेदीयुगीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं कवियों का परिचय.

इकाई-2 : 1) छायावादी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं कवियों का परिचय. (20 Hrs.)
2) प्रगतिवादी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं कवियों का परिचय.
3) प्रयोगवाद-नयी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियां एवं कवियों का परिचय

इकाई-3 : 1) भारतेंदु पूर्व खड़ीबोली गद्य का सामान्य परिचय. (20 Hrs.)
2) कहानी, उपन्यास, निबंध एवं नाटक विधा के विकासक्रम का संक्षिप्त परिचय.
3) प्रेमचंद, जैनेन्द्र, यशपाल, हजारीप्रसाद द्विवेदी, रामकुमार वर्मा, फणीश्वरनाथ रेणु,मोहन राकेश, भीष्म साहनी, धर्मवीर भारती, अनामिका, ओमप्रकाश वाल्मीकि, जयप्रकाश कर्दम एवं अनुज लुगुन का संक्षिप्त साहित्यिक परिचय.

संदर्भ पुस्तकें :

1) हिंदी साहित्य का इतिहास : आ.रामचंद्र शुक्ल.
2) हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ.नगेन्द्र.
3) आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास : बच्चनसिंह
4) हिंदी का गद्य साहित्य : डॉ.रामचंद्र तिवारी.
5) हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : डॉ.गणपतिचन्द्र गुप्त.
6) हिंदी साहित्य का प्रवृत्तिमूलक अभिनव इतिहास : डॉ.विवेक शंकर.
7) हिंदी साहित्य युग और प्रवृत्तियां : शिवकुमार शर्मा.
8) हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ.सज्जनराम केणी
9) हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ.लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय.
10) आधुनिक हिंदी साहित्य विविधा और विमर्श: सं.प्रो.डॉ.शशिकांत सोनवणे 'सावन', माया प्रकाशन, कानपूर.

DSC-14-HIN-IKS-353 :

भारतीय ज्ञान परम्परा एवं भाषा विज्ञान

(Indian Knowledge System & Linguistics) (Credit 4)

उद्देश्य: 1) भाषा के विभिन्न रूपों से छात्रों को परिचित कराना

2) भारत की प्राचीन, मध्यकालीन एवं आधुनिक भारतीय भाषाओं से परिचित कराना

3) छात्रों को भाषाविज्ञान के प्रमुख अंगों से अवगत कराना

4) ध्वनि, पद, वाक्य, अर्थ विज्ञान से अवगत कराना

5) भाषा के वैज्ञानिक अध्ययन के प्रति छात्रों में जिज्ञासा जागृत करना

पाठ्यक्रम :

इकाई-1:

1) भारतीय भाषा : उद्भव, परिभाषा, स्वरूप एवं भाषा के विभिन्न रूप-बोली, विभाषा, मानकभाषा, साहित्यिक भाषा (20 Hrs.)

2) प्राचीन भारतीय भाषाएँ : वैदिक, संस्कृत, लौकिक संस्कृत, पाली-प्राकृत (पूर्वार्ध) और तेलुगु

3) मध्यकालीन भारतीय भाषाएँ : पाली-प्राकृत (उत्तरार्ध), अपभ्रंश

4) आधुनिक भारतीय भाषाएँ : मराठी, हिंदी, उर्दू, असमिया, बांगला, बोडो, डोंगरी, गुजराती, कश्मीरी, कन्नड, कोंकणी, मैथिली, मल्यालम, मणिपुरी, नेपाली, ओडिसा, पंजाबी, सिंधी आदि

इकाई-2 :

1) भाषा विज्ञान की परिभाषा, स्वरूप एवं भाषा विज्ञान के प्रमुख अंग (20 Hrs.)

2) ध्वनि विज्ञान - ध्वनि की परिभाषा, स्वरूप ध्वनिमंत्र और उसकी कार्यप्रणाली (उच्चारण प्रक्रिया), ध्वनिगुण

3) स्वर और व्यंजन ध्वनियों (अर्थात वर्णों) के उच्चारण स्थान

इकाई-3 :

1) पद (रूप विज्ञान) की परिभाषा, संबंधतल, अर्थतत्व, संबंध तत्व के प्रकार (20 Hrs.)

2) वाक्य की परिभाषा, स्वरूप, अभिहितान्वयवाद, अन्विताभिधानवाद

3) अर्थ विज्ञान-अर्थ की परिभाषा, शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ, अर्थ परिवर्तन के कारण-बल अपसरण, पीढी परिवर्तन, अन्य भाषाओं का प्रभाव, नम्रता प्रदर्शन, अशोभन के लिए शोभन का प्रयोग, व्यंग्य, अलंकारिक प्रयोग, अज्ञान एवं असावधानी

संदर्भ पुस्तकें :

1) भाषा विज्ञान : डॉ.भोलानाथ तिवारी

2) हिंदी भाषा : डॉ.भोलानाथ तिवारी

3) भाषा विज्ञान : डॉ.तेजपाल चौधरी.

4) भाषा विज्ञान : डॉ.रामस्वरूप खरे

5) भाषिक हिंदी भाषा तथा भाषा शिक्षण : डॉ.अंबादास देशमुख

5) भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा का इतिहास : डॉ.हणमंतराव पाटिल,डॉ.सुधाकर शेंडगे.

7) भाषा विज्ञान के अधुनातन आयाम एवं हिंदी भाषा : डॉ.अंबादास देशमुख

8) भाषा विज्ञान एक अध्ययन : डॉ.गरिमा श्रीवास्तव

9) भाषा विज्ञान - हिंदी भाषा : डॉ.सुरेश सिंघल

10) भाषा विज्ञान का रसायन : कैलाशनाथ पाण्डेय

11) भाषा विज्ञान - हिंदी भाषा और लिपि : डॉ.रामकिशोर शर्मा

12) भाषा चिंतन के नये आयाम : डॉ.रामकिशोर शर्मा

13) आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धांत : डॉ.रामकिशोर शर्मा

14) हिंदी भाषा का उद्‌गम और विकास : उदयनारायण तिवारी

15) हिंदी भाषा का उद्भव और विकास : डॉ.हेतु भारद्‌वाज

16) हिंदी भाषा और लिपि का ऐतिहासिक विकास : सत्यनारायण त्रिपाठी

17) हिंदी भाषा की संरचना : डॉ.भोलानाथ तिवारी

18) हिंदी भाषा चिंतन : दिलीप सिंह

19) भाषा का संसार : दिलीप सिंह

20) भाषा विचार एवं भाषा विज्ञान : डॉ.कृष्णा पोतदार, डॉ.मधु खराटे

21) भाषा विज्ञान : डॉ.डी.एम्‌.दोमडिया

22) तेलुगु साहित्य : एस टी नरसिंभाचारी

23) भारत के भाषा परिवार : राजमल बोरा

24) पाली साहित्य का इतिहास : राहुल सांकृत्यायन

25) प्राचीन भारत का इतिहास : वी डी महाजन

VSC-03-HIN-354 :

हिंदी भाषा का मानकीकरण एवं अशुद्धि शोधन (Credit 2)

(Standardization and Proof Reading of Hindi Language)

उद्देश्य: 1) हिंदी भाषा के मानक रूप से छात्रों को परिचित कराना.

2) देवनागरी लिपि तथा वर्तनी संबंधी नियमावली से परिचित कराना.

3) शुद्ध हिंदी वर्तनी लेखन की क्षमता का छात्रों में विकास करना.

4) देवनागरी लिपि के व्यवहारिक महत्व को समझाना.

पाठ्यक्रम :

इकाई-1: 1) देवनागरी लिपि का परिचय, देवनागरी लिपि के गुण एवं दोष एवं महत्व. (10 Hrs.)

2) मानक देवनागरी वर्णमाला का परिचय.

3) संगणक की दृष्टी से देवनागरी की उपयोगिता. (संक्षेप में)

इकाई-2: 1) मानक भाषा, परिभाषा एवं स्वरुप,मानक भाषा की विशेषताएं. (10 Hrs.)

2) मानक भाषा के प्रकार,मानक भाषा के कार्य (लक्षण).

3) हिंदी वर्तनी का मानकीकरण.(केन्द्रीय हिंदी निदेशालय द्वारा प्रस्तुत हिंदी मानकीकरण के नियम. (संक्षेप में)

इकाई-3 : 1) हिंदी की भाषिक संरचना और अशुद्धियाँ. (10 Hrs.)

2) वर्तनी संबंधी होनेवाली अशुद्धियाँ,स्वर एवं व्यंजन संबंधी होनेवाली अशुद्धियाँ,

3) व्याकरण (लिंग, वचन, कारक, क्रिया) संबंधी होनेवाली अशुद्धियाँ. (संक्षेप में)

संदर्भ पुस्तकें :

1) मानक हिंदी और भाषा : भोलानाथ तिवारी.

2) हिंदी व्याकरण : पं.कामताप्रसाद गुरु..

3) देवनागरी लिपि तथा हिंदी वर्तनी का मानकीकरण : कें.हिं.निदेशालय,भारत सरकार.

4) प्रयोजनमूलक मानक हिंदी : ओंकारनाथ वर्मा,सुलभ प्रकाशन,लखनऊ.

5) प्रयोजनमूलक हिंदी भाग-1-3 : डॉ.उर्मिला पाटिल,अतुल प्रकाशन, कानपुर.

6) शुद्ध हिंदी : जगदीशप्रसाद कौशिक,साहित्यागार प्रकाशन,जयपुर.

7) मानक हिंदी व्याकरण : डॉ.लक्ष्मीकांत पाण्डेय,विद्या प्रकाशन, कानपुर.

8) प्रयोजनमूलक हिंदी व्याकरण : डॉ.द्विजराम यादव,साहित्य रत्नाकर, कानपुर.

9) व्यावहारिक हिंदी व्याकरण : डॉ.नामदेव उतकर,चंद्रलोक प्रकाशन,कानपुर.

MIN-06-HIN-MIN-361 : प्रयोजनमूलक हिंदी

(Functional Hindi) (Credit 2)

उद्देश्य:1) बैंकिंग, बीमा एवं वाणिज्यिक क्षेत्र की हिंदी से छात्रों को परिचित कराना.

2) बैंकिंग एवं वाणिज्य क्षेत्र में हिंदी कार्यविधि से परिचित कराना.

3) कार्यवृत्त लेखन से परिचित कराना.

4) फाइलिंग प्रणाली से छात्रों को अवगत कराना.

पाठ्यक्रम :

इकाई-1 : 1) बैंक,बीमा एवं वाणिज्य क्षेत्र की हिंदी का स्वरुप. (10 Hrs.)

2) बैंक,बीमा एवं वाणिज्य क्षेत्र की पारिभाषिक हिंदी शब्दावली (50-50 शब्द)

इकाई-2 : 1) बैंकिंग व्यवहार का ज्ञान:खाता खोलना,खाता बंद करना,चेक,हुंडी आदि. (10 Hrs.)

2) वाणिज्यिक पत्रलेखन : पूछताछ पत्र, साख पत्र, क्षतिपूर्ति पत्र, तकादे का पत्र.

इकाई-3 : 1) कंप्यूटर का परिचय एवं महत्व.कंप्यूटर और हिंदी भाषा प्रयोग. (10 Hrs.)

2) हिंदी की प्रमुख वेबसाईटस,कंप्यूटर और रोजगार.

संदर्भ पुस्तकें :

1) प्रयोजनमूलक हिंदी : विनोद गोदरे.

2) व्यावहारिक हिंदी और रचना : कृष्णकुमार गोस्वामी.

3) हिंदी भाषा का प्रयोजनमूलक स्वरुप : डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया.

4) प्रयोजनमूलक हिंदी: अधुनातन आयाम : डॉ.अंबादास देशमुख.

5) प्रयोजनमूलक हिंदी(भाग 2 एवं 3) : डॉ.उर्मिला पाटिल.

6) कार्यालय कार्यबोध : हरिबाबू कंसल,प्रभात प्रकाशन,न.दिल्ली.

7) सरकारी कार्यालयों में हिंदी का प्रयोग : गोपीनाथ श्रीवास्तव, लोकभारती, प्रयागराज.

8) प्रयोजनमूलक हिंदी : विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली.

9) राजभाषा हिंदी : भोलानाथ तिवारी, प्रभात प्रकाशन, नयी दिल्ली.

10) हिंदी विविध व्यवहारों की भाषा : सुवासकुमार, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली.

11) प्रयोजनमूलक हिंदी के आधुनिक आयाम : महेंद्रसिंग राणा, हर्षा प्रकाशन, आगरा.

12) प्रशासनिक हिंदी : हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली.

DSC-02-HIN-EC-371 :

मीड़िया : हिंदी सिनेमा और साहित्य

(Media : Cinema and Literature) (Credit 4)

उद्देश्य: 1) हिंदी सिनेमा के इतिहास से छात्रो को अवगत कराना.

2) हिंदी सिनेमा और भारतीय समाज के अंतर्संबंधों पर प्रकाश डालना.

3) हिंदी सिनेमा के तकनीकी पक्ष से छात्रो को परिचित कराना.

4) साहित्यिक रचनाओं पर केन्द्रित सिनेमा से छात्रों को अवगत करना.

पाठ्यक्रम :

इकाई-1: प्रारंभिक सिनेमा का संक्षिप्त इतिहास. (20 Hrs.)

1) प्रारंभिक दौर का हिंदी सिनेमा.

2) स्वतंत्रता आंदोलन और हिंदी सिनेमा.

3) हिंदी सिनेमा में भारतीय समाज का यथार्थ.

इकाई-2 : हिंदी सिनेमा का तकनीकी पक्ष. (20 Hrs.)

1) फिल्म निर्माण की प्रक्रिया.

2) सिनेमा की पटकथा : अर्थ, परिभाषा, स्वरुप, पटकथा लेखन की प्रक्रिया.

3) सिनेमा के संवाद : अर्थ,स्वरुप,संवाद लेखन की प्रक्रिया,भाषा-शैली.

इकाई-3 : प्रतिनिधि सिनेमा :- आम्रपाली (ईगल फिल्म प्रस्तुत-रिलिज-सन 1966) (20 Hrs.)

साहित्यकृति - 'वैशाली की नगर वधु' (उपन्यास) - चतुरसेन शास्त्री

1) साहित्यिक कथा एवं फिल्म पटकथा का तुलनात्मक अध्ययन.

2) साहित्यिक कहानी के पात्र एवं फिल्म के पात्रों का तुलनात्मक अध्ययन.

3) उपन्यास एवं फिल्म के संवाद तथा भाषाशैली का तुलनात्मक अध्ययन.

संदर्भ पुस्तकें :

1) भारतीय हिंदी सिनेमा की विकासयात्रा : डॉ.देवेन्द्रनाथ सिंह, डॉ.विरेन्द्रसिंह यादव पैसिफिक पब्लिकेशन, एन-187, शिवाजी चौक,सादतपुर एक्सटेन्शन, दिल्ली-110094.

2) भारतीय सिनेमा का अंतःकरण : विनोद दास, मेधा बुक्स, नविन शहादरा,दिल्ली.

3) साहित्य और सिनेमा : बदलते परिदृश्य में संभावनाएं और चुनौतियाँ : सं.डॉ.शैलजा भारद्वाज,चिंतन प्रकाशन,3 ए/119,आवास विकास,हंसपुरम,कानपुर-208021.

4) साहित्य और सिनेमा : सं.पुरुषोत्तम कुंदे, साहित्य संस्थान प्रकाशन,गाजियाबाद.

5) हिंदी साहित्य और फिल्मांकन : डॉ.रामदास तौंडे,लोकवाणी संस्थान,शाहदरा,दिल्ली.

6) भारतीय सिनेमा एक अनंत यात्रा : प्रसून सिन्हा,नटराज प्रकाशन,दिल्ली-110053.

7) साहित्य और सिनेमा का अंतर्संबंध : नीरा जलक्षत्री,शिल्पायन प्रकाशन,दिल्ली.

8) फिल्म साहित्य और सिनेमा : विवेक दुबे,संजय प्रकाशन,दरियागंज,नयी दिल्ली.

9) फिल्म और फिल्मकार : डॉ.सी.भास्कर राव,कनिष्क पब्लिशर्स डिस्ट्रीबुटर्स,दिल्ली.

10) पटकथा लेखन : एक परिचय : मनोहर श्याम जोशी,राजकमल प्रकाशन,नयी दिल्ली.

11) सिनेमा कल,आज और कल : विनोद भारद्वाज,वाणी प्रकाशन,नयी दिल्ली.

12) सिनेमा और संस्कृति : डॉ.राही मासूम रजा,वाणी प्रकाशन,नयी दिल्ली.

13) बहु वचन(त्रैमासिक पत्रिका) अंक-39,अक्टू-दिसंबर 2013,महात्मा गांधी अन्तराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा.

14) सदी का हिंदी सिनेमा और साहित्य : सं.डॉ.शशिकांत सोनवणे'सावन',माया प्रकाशन, कानपुर.

15) भारतीय सिनेमा का साहित्यिक सौंदर्य:सं.डॉ.शशिकांत सोनवणे'सावन', अयान प्रकाशन, कानपुर.

प्रश्नपत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

(Pattern of Question Paper and Marking)

DSC-09-HIN-MJ-301 : हिंदी की राष्ट्रीय काव्यधारा (सत्र-5)

एवं

DSC-12-HIN-MJ-351 : भारतीय संत काव्य (सत्र-6)

समय : 2 घंटे **(क्रेडिट-2)** **कुल अंक : 30**

प्रश्न क्र.1): इकाई-I,II एवं III पर प्रश्न.

i) बहु विकल्पीय प्रश्न.(6 में से 3)

ii) एकवाक्योत्तरी प्रश्न.(6 में से 3) अंक-06

प्रश्न क्र.2) : इकाई-I पर लघुत्तरी प्रश्न. (3 में से 2) अंक-06

प्रश्न क्र.3) : इकाई-II पर लघुत्तरी प्रश्न. (3 में से 2) अंक-06

प्रश्न क्र.4) : इकाई-III पर लघुत्तरी प्रश्न. (3 में से 2) अंक-06

प्रश्न क्र.5) : इकाई-I,II एवं III परटिप्पणियाँ. (3 में से 2) अंक-06

DSC-10-HIN-302 : हिंदी साहित्य का इतिहास (1) (सत्र-5)

एवं

DSC-13-HIN-MJ-352 : हिंदी साहित्य का इतिहास (2) (सत्र-6)

समय: 3 घंटे **(क्रेडिट-4)** **कुल अंक : 60**

प्रश्न क्र.1) : इकाई-I, II एवं III पर प्रश्न.

i) बहु विकल्पीय प्रश्न (8 में से 6)

ii) एकवाक्योत्तरी प्रश्न (8 में से 6) अंक-12

प्रश्न क्र.2) : इकाई-I पर लघुत्तरी प्रश्न. (3 में से 2) अंक-12

प्रश्न क्र.3) : इकाई-II परलघुत्तरी प्रश्न. (3 में से 2) अंक-12

प्रश्न क्र 4) : इकाई-III पर लघुत्तरी प्रश्न. (3 में से 2) अंक-12

प्रश्न क्र. 5) : इकाई-I, II एवं III पर ससंदर्भ व्याख्या अथवा टिप्पणियाँ. (3 में से 2) अंक-12

DSC-11-HIN-MJ-303 : हिंदी भाषा का विकास (सत्र-5)

एवं

DSC-14-HIN-MJ-354 (IKS) भारतीय ज्ञान परम्परा : भाषा विज्ञान (सत्र-6)

समय : 3 घंटे **(क्रेडिट-4)** **कुल अंक : 60**

प्रश्न क्र.1) : इकाई-I, II एवं III पर प्रश्न.

i) बहु विकल्पीय प्रश्न (8 में से 6)

ii) एकवाक्योत्तरी प्रश्न.(8 में से 6) अंक-12

प्रश्न क्र.2) : इकाई-I पर लघुत्तरी प्रश्न.(3 में से 2) अंक-12

प्रश्न क्र.3) : इकाई-II पर लघुत्तरी प्रश्न. (3 में से 2) अंक-12

प्रश्न क्र.4) : इकाई-III पर लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2) अंक-12

प्रश्न क्र.5) : इकाई-III पर ससंदर्भ व्याख्या अथवा टिप्पणियाँ. (3 में से 2) अंक-12

MIN-05-HIN-311 : हिंदी का संपादन लेखन (सत्र-5)

एवं

MIN-06-HIN-361 : प्रयोजनमूलक हिंदी (सत्र-6)

समय : 2 घंटे **(क्रेडिट-2)** **कुल अंक : 30**

प्रश्न क्र.1): इकाई-I,II एवं III पर प्रश्न.

i) बहु विकल्पीय प्रश्न.(6 में से 3)

ii) एकवाक्योत्तरी प्रश्न.(6 में से 3) अंक-06

प्रश्न क्र.2) : इकाई-I पर लघुत्तरी प्रश्न. (3 में से 2) अंक-06

प्रश्न क्र.3) : इकाई-II पर लघुत्तरी प्रश्न. (3 में से 2) अंक-06

प्रश्न क्र.4) : इकाई-III पर लघुत्तरी प्रश्न. (3 में से 2) अंक-06

प्रश्न क्र.5) : इकाई-I,II एवं III पर टिप्पणियाँ. (3 में से 2) अंक-06

VSC-02-HIN-VSC-304 : हिंदी व्याकरण तथा अभिव्यक्ति कौशल (सत्र-5)

एवं

VSC-03-HIN-VSC-354 : हिंदी भाषा का मानकीकरण एवं अशुद्धि शोधन (सत्र-6)

समय : 2 घंटे **(क्रेडिट-2)** **कुल अंक : 30**

प्रश्न क्र.1) : इकाई-I,II एवं III पर प्रश्न.

i) बहु विकल्पीय प्रश्न.(6 में से 3)

ii) एकवाक्योत्तरी प्रश्न.(6 में से 3) अंक-06

प्रश्न क्र.2) : इकाई-I पर लघुत्तरी प्रश्न. (3 में से 2) अंक-06

प्रश्न क्र.3) : इकाई-II पर लघुत्तरी प्रश्न. (3 में से 2) अंक-06

प्रश्न क्र.4) : इकाई-III पर लघुत्तरी प्रश्न. (3 में से 2) अंक-06

प्रश्न क्र.5) : इकाई-I, II एवं III पर टिप्पणियां. (3 में से 2) अंक-06

DSE-01-HIN-EC-321 : विशेष विधा : यात्रा साहित्य (सत्र-5)

एवं

DSE-02-HIN-EC-371 : मीडिया : हिंदी सिनेमा और साहित्य (सत्र-6)

समय : 3 घंटे **(क्रेडिट-4)** **कुल अंक : 60**

प्रश्न क्र.1) : इकाई-I, II एवं III पर प्रश्न.

i) बहु विकल्पीय प्रश्न (8 में से 6)

ii) एकवाक्योत्तरी प्रश्न.(8 में से 6) अंक-12

प्रश्न क्र.2) : इकाई-I पर लघुत्तरी प्रश्न.(3 में से 2) अंक-12

प्रश्न क्र.3) : इकाई-II पर लघुत्तरी प्रश्न. (3 में से 2) अंक-12

प्रश्न क्र.4) : इकाई-III पर लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2) अंक-12

प्रश्न क्र.5) : इकाई-III पर ससंदर्भ व्याख्या अथवा टिप्पणियाँ. (3 में से 2) अंक-12

Field Project (F.P.) (क्षेत्रिय परियोजना) हिंदी (सत्र-5)

FP-HIN-341 - विषय :- "मराठी भाषी रचनाकारों का हिंदी लेखन साहित्य में योगदान : एक अध्ययन" (क्षेत्रिय शोध कार्य की प्रोजेक्ट के रूप में लिखित प्रस्तुति)

– (अंतर्गत 40 एवं बहिस्थ 60 अंक)

On Job Training (OJT) (कार्य प्रशिक्षण / आंतर्वासिता) हिंदी (सत्र-6)

OJT-HIN-391 विषय :- "भारतीय रेल / राष्ट्रीय कृत बैंकों में वर्तमान हिंदी की कार्यप्रणाली : एक अध्ययन" (कार्य प्रशिक्षण लेकर, प्रोजेक्ट के रूप में लिखित प्रस्तुति)

– (अंतर्गत 40 एवं बहिस्थ 60 अंक)

पाठ्यक्रम विषयक महत्वपूर्ण सूचनाएँ :-

1) यह टी.वाय.बी.ए. (तृतीय वर्ष साहित्य) का पाठ्यक्रम कुल 44 श्रेयांक का है | यह पाठ्यक्रम पाँचवे एवं छठे सत्र में विभाजित है |

2) हिंदी (विशेष) के छात्र तृतीय एवं चतुर्थ सत्र हेतु निर्धारित VSC-2 एवं VSC-3 पाठ्यक्रम में छात्र महाविद्यालय में उपलब्ध विषय के VSC पाठ्यक्रम का चयन कर सकते है |

3) पाँचवे सत्र में Minor-05 : हिंदी का संपादन लेखन और छठे सत्र में Minor-06 : प्रयोजनमूलक हिंदी यह दोनों पाठ्यक्रम है |

4) DSC-09, 10, 11, 12, 13, 14 एवं DSE-01, DSE-02 यह हिंदी विशेष स्तर (स्पेशल) अनुशासित पाठ्यक्रम है | सत्र पाँच एवं छह में क्रमश: FP (क्षेत्रिय योजना) एवं OJT (कार्य प्रशिक्षण / आंतर्वासिता) के अंतर्गत अनिवार्य पाठ्यक्रम हैं |

5) F.P. और O.J.T. में छात्रों को निर्धारित विषय पर क्षेत्रिय / शोध / कार्य / प्रशिक्षण पूर्ण कराकर, अपना टंकलिखित प्रोजेक्ट्स (40 पृष्ठों में) हिंदी विभाग में प्रस्तुत करना है |

6) छात्रों को आगे स्नातकोत्तर कक्षा में जिस विषय का चयन करना है उस विषय में स्नातक स्तर की प्राप्त उपाधि में न्यूनतम 24 श्रेयांक (क्रेडिट) होना आवश्यक है |

7) प्रत्येक पाठ्यक्रम में 4 क्रेडिट हेतु 45 और 2 क्रेडिट हेतु 23 तासिकाएँ अध्यापनार्थ निर्धारित हैं |

8) जो पाठ्यक्रम 100 अंकों का (4 Credit का) हैं, इसमें 40 अंक अंतर्गत मूल्यांकन हेतु एवं 60 अंक सत्रांत लिखित परीक्षा हेतु निर्धारित है | जो पाठ्यक्रम 50 अंकों का (2 Credit) का है, उसमें अंतर्गत मूल्यांकन को 20 अंक और सत्रांत (बहिस्थ परीक्षा) को 30 अंक निर्धारित है |

9) अंतर्गत मूल्यांकन में 40 में से न्यूनतम 16 अंक तथा 20 में से 8 अंक आवश्यक है | सत्रांत (लिखित परीक्षा में) 60 में से न्यूनतम 24 अंक और 30 में से 12 अंक उत्तीर्ण होने हेतु प्राप्त करना आवश्यक है |

10) पाठ्यक्रम की उपलब्धियाँ वही होंगी जो विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम में प्रस्तुत हैं |

(हिंदी अध्ययन मंडल, प्रताप स्वशासी महाविद्यालय, अमलनेर के पाठ्यक्रम विषयक सूचनाओं, सुझावों एवं चर्चाओं के आधारपर इस पाठ्यक्रम को अंतिम रूप दिया गया है)

प्रो.डॉ.शशिकांत सोनवणे 'सावन'

अध्यक्ष

हिंदी अध्ययन मंडल (B.O.S.)

प्रताप महाविद्यालय (स्वशासी),

अमलनेर, जिला-जलगाँव (महाराष्ट्र)